वर्धमान जीवन कोश भाग-२ (फोल्डर नं. ००१९७४)

संपादक – मोहनलाल बाँठिया, श्रीचंद चोरडिया

मुख्य टाइटल
समर्पण
संकलन-संपादन में प्रयुक्त ग्रन्थों की संकेत सूची
आशीर्वचन
जैन वाङ्मय का दशमलव वर्गीकरण
०३ जीव द्वार का वर्गीकरण
९२ जीवनी का वर्गीकरण
प्रकाशकीय
प्रस्तावना
दो शब्द
Foreword
भूमिका का हिन्दी अनुवाद
विषय सूची
भगवान महावीर के पूर्व भव ---------- १
पूर्व भव विवेचन ---------- १
अनन्त-संसार भ्रमण---------- १
भगवान महावीर का जीव ----------२
ग्रामचिंतक-नयसारभिल्ल-पुरूरवाभिल्ल के भव में ----------२
पूर्वभव में प्रथम बार सम्यक्त्व प्राप्त ----------२
भगवान् महावीर का जीव – सौधर्मकल्प देव में ---------- १०
मरीचिकुमार भव में – नीच गोत्रकर्म का उपार्जन ----------१२
भावी तीर्थंकर वर्धमान ---------- २५
मिथ्यामत की प्ररूपणा-शिष्यत्व के लोभ से ---------- २८
मरीचि के शिष्य कपिल द्वारा सांख्य दर्शन का प्रवर्तन ---------- ३०
भगवान् महावीर का जीव ब्रह्मकल्पदेव में ----------३१
कौशिक परिव्राजक भव में अथवा जटिल ब्राह्मण भव में ---------- ३३
कौशिक परिव्राजक भव में ---------- ३३
जटिल ब्राह्मण भव में ---------- ३४
चतुर्गति संसारभ्रमण ---------- ३४
ईशान स्वर्गदेव अथवा सौधर्म स्वर्गदेव भव में ---------- ३४
सौधर्म स्वर्ग के देव भव में (श्वे.) ---------- ३५
सौधर्म स्वर्ग के देव भव में (दिग्) ---------- ३५
पुष्यमित्रपरिव्राजक अथवा पुष्यमित्र ब्राह्मण भव में ---------- ३५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

संसार भ्रमण -- ३७
सौधर्मकल्पदेव अथवा ईशानकल्पदेव भव में -- ३७
संसार भ्रमण -- ३८
अग्निद्योत परिव्राजक अथवा अग्निसह ब्राह्मण भव में -- ३८
ईशान कल्पदेव-या सानत्कुमार देव भव में -- ३९
संसार भ्रमण -- ४०
अग्निभूति परिव्राजक या अग्निमित्र ब्राह्मण -- ४०
संसार भ्रमण -- ४२
सनत्कुमार देव-या माहेन्द्र कल्पदेव भव में -- ४२
संसार भ्रमण -- ४३
भारद्वाज परिव्राजक भव में --- ४३
संसार भ्रमण -- ४४
माहेन्द्र कल्पदेव भव में -- ४४
संसार भ्रमण (श्वे.) -- ४५
त्रस-स्थावर योनि के असंख्यात भव (दिग्) -- ४५
स्थावर परिव्राजक भव मेंौ -- ४६
ब्रह्मलोक कल्पदेव अथवा माहेन्द्र कल्पदेव भव में --- ४७
संसार भ्रमण -- ४८
विश्वभूति क्षत्रिय के भव में -- ४८
महाशुक्र क्लपदेव भव में -- ५६
त्रिपृष्ठ वासुदेव के भव में --- ५७
त्रिपृष्ठ वासुदेव का समयकाल --- ५७
प्रतम दो चक्रवर्ती के बाद-त्रिपृष्ठ वासुदेव -- ५८
त्रिप्ृष्ठ वासुदेव के माता-पिता के नाम --- ५८
त्रिपृष्ठ वासुदेव का निदान-पूर्व भव का --- ५८
त्रिपृष्ठ वासुदेव के प्रतिशत्रु -- ५९
त्रिपृष्ठ वासुदेव के पिता का पुत्री से विवाह -- ५९
त्रिपृष्ठ वासुदेव का अवतरण -- ६१
त्रिपृष्ठ वासुदेव के प्रतिशत्रु-अश्वग्रीव प्रतिवासुदेव -- ६३
वासुदेवों में त्रिपृष्ठ प्रथम वासुदेव था -- ६३
त्रिपृष्ठ वासुदेव द्वारा केशरी सिंह का मारा जाना -- ६४
त्रिपृष्ठ वासुदेव द्वारा अश्वग्रीव प्रतिवासुदेव का मारा जाना -- ६८
त्रिपृष्ठ वासुदेव का राज्याभिषेक --- ७२
त्रिपृष्ठ भव में कार्मो का गाढ बंधन -- ७२
सप्तय नरक के नारकी के भव में -- ७३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

सिंह के भव में-- ७४
चतुर्थ नरक अथवा प्रथम नरक के नारकी के भव में -- ७५
कतिपय तिर्यग्-मनुष्य भव में -- ७६
सिंह के भव में-- ७६
सौधर्म स्वर्ग का देव -- ७७
कनकोज्ज्वल राजा-कनकप्रभ राजा -- ७९
लान्तव स्वर्ग का देव --८१
हरिषेण राजा -- ८२
महाशुक्र स्वर्ग का देव --- ८४
प्रियमित्र-प्रियदत्त चक्रवर्ती के भव में --- ८५
जन्म -- ८५
प्रियमित्र-चक्रवर्ती की छह्-खण्ड पर विजय --- ८६
मागध तीर्थ पर विजय -- ८६
वरदान तीर्थ आदि पर विजय -- ८७
एक विवेचन -- ८८
पोट्टिलभव में -- ९२
सहस्रार स्वर्ग का देव – अथवा महाशुक्र का देव --- ९४
नन्द-नन्दन राजा --- ९५
नन्दन राजा-नंदीवर्धन राजा-मांडलिक राजा थे -- ९७
नन्दराजा-नंदीवर्धन राजा के तीर्थंकर प्रकृति का बंध -- ९७
अच्युत स्वर्ग-प्रपाणत स्वर्ग का देव --- ९९
देव रूप में उत्पन्न --- ९९
अच्युत स्वर्ग का इन्द्र अथवा प्राणत स्वर्ग का ईन्द्र --- १००
आहार श्वासोच्छ्वास-ज्ञान --- १०१
पुष्पोत्तर विमान में भगवान् महावीर का जीव और भाविजन्म क्षेत्र में धनवर्षा -------------------- १०१
वर्धमान तीर्थंकर-भगवान् महावीर -- १०३
गर्भप्रदेश -- १०३
प्रियकारिणी के गर्भ के समय धन वर्षा --- १०६
भगवान् महावीर-देवानंदा-गर्भ में -- १०६
त्रिशला-गर्भ में --- १०८
गर्भ विवेचन -- १०८
गर्भ का प्रभाव – त्रिशला के गर्भ के समय धन वर्षा --- ११०
त्रिशला के गर्भ में अभिग्रह -- ११०
वर्धमान का वंश-- १११
वर्धमान भगवान् का शरीर -- १११

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

वर्धमान भगवान् के शरीर के अवयवों का विवेचन --112
शिख-नख विवेचन --112
बाल्यावस्था में अध्ययन -- 115
कुमारादि पर्याय -- 115
आमलकी क्रीडा --- 115
चक्रवर्ती की कल्पना -- 116
भगवान् के अभिनिष्क्रमण का विचार और नंदीवर्धन --- 116
नंदीवर्धन के आग्रह पर दो वर्ष और गृहस्थावास में --- 116
साधिक दो वर्ष में विविध नियम--- 116
रात्रि-भोजन न करने तता सचित्त जल न पीने की प्रतिज्ञा -- 116
एकत्व भावना--- 117
जीव-सचित्त-अचित्त का ज्ञान --- 117
दीक्षा पर्याय --- 117
प्रथम-भिक्षा-दाता ने कैसी भिक्षा दी ---118
जृम्भक देवों द्वारा प्रथम पारणे में वृष्टि ---118
भगवान् के छद्मस्थ-अवस्था का ज्ञान ---118
कर्म और कर्मफल का ज्ञान --118
वर्धमान से चतुर्थ प्रहर में केवलज्ञान की उपलब्धि -- 120
ज्ञान कल्याण -- 120
देवों द्वारा महोत्सव -- 120
केवलज्ञानोत्पत्ति के समय आसनकंपन ---121
वर्धमान की अंतक्रिया और परिनिर्वाण ---121
भगवान् के पर्यायवाची नाम ---121
महामाहण --121
महागोप ---121
महासार्तवाह --- 122
महाधर्मकथी -- 122
महानिर्यामक -- 1223
मंगल और तप शब्दों में वर्धमान --- 123
वद्धमाणक (वर्द्धमानक) -- 123
आयंबिल वद्धमाणं -- 123
तीर्थप्रवर्तन काल -- 123
वर्धमान के समय चारित्र -- 123
भगवान महावीर और दीपमालिका -- 124
वर्धमान-महावीर भगवान् को स्तुति --- 124

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

सूयगडो से -- १२४
कसाय पाहुडं से --- १३२
अन्यान्य आगमों से --- १३३
अन्यान्य ग्रन्थों से -- १३५
जैनेतर ग्रन्थों में -- १३७
ब्राह्मण ग्रन्थोो में --- १३७
बौद्ध ग्रन्थों में -- १३७
दिगम्बर और श्वेताम्बर परम्पराओं में भगवान् महावीर के जीवनवृत्त विषयक आम्नाय भेद ------- १३९
वर्धमान की जन्म-कुंडली -- १३९
वर्धमान महावीर और समवसरण देशना -- १४०
कोठों का विस्तार --- १४४
भगवान् महावीर और चतुर्विध संघ की उत्पत्ति -- १४७
द्वितीय समवसरण में-तीर्थोत्पत्ति --- १४७
भगवान् महावीर और दिव्यध्वनि -- १४८
दिगम्बर मतानुसार -- १४८
गौतम के प्रश्न -- १५०
गौतम के प्रश्न करने पर प्रथम देशना भगवान् द्वारा-दिव्यध्वि के द्वारा उपदेश -------------------- १५०
गणैर्द्वादशभिः प्रोक्तैः परीतेन जिनेशिना -- १५२
श्वेताम्बर मतानुसार भगवान की द्वितीय देशना – अपापा नगरी में ------------------------------ १५७
द्वितीय समवसर णमें तीर्थ की स्थापना -- १५७
भगवान् महावीर और समवसरण -- १६०
देशना का निष्कर्ष.... -- १६०
आर्यचन्दना को प्रवर्तिनी पद पर स्थापित... --- १६१
भगवान महावीर की अन्तिम देशना के समय.....-- १६१
भगवान् की अंतिम देशना -- १६२
भगवान् महावीर की अन्तिम देशना -- १६३
भगवान् की अंतिम देशना की समाप्ति पर राजा हस्तिपाल राजाके द्वारा... ------------------------ १६३
भगवान् की अंतिम देशना की समाप्ति पर हस्तिपाल राजा.... ----------------------------------- १६५
भगवान् महावीर की राजगृह में धर्म देशना -- १६८
ब्राह्मण कूंडग्राम में धर्मदेशना--- १६८
चंपानगरी में धर्म देशना --- १६९
अन्यान्य नगर में भगवान् की धर्म देशना -- १७०
श्रमण भगवान महावीर के विविध विशेषण --- १७२
भगवान् महावीर और दुर्गम स्थान --- १७२
भगवान् महावीर और उनका प्रवचन-- १७२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

भगवान् महावीर से उपदिष्ट और अनुमत पांच वस्तुएँ -- १७३
भगवान् महावीर से उपदिष्ट एवं अनुमत पांच स्थान -- १७३
भगवान् महावीर से उपदिष्ट एवं अनुमत पांच स्थान -- १७३
भगवान् महावीर से उपदिष्ट एवं अनुमत पांच स्थान -- १७४
भगवान् महावीर से उपदिष्ट एवं अनुमत पांच स्थान -- १७४
भगवान् महावीर से उपदिष्ट एवं अनुमत पांच स्थान -- १७४
भगवान् महावीर से उपदिष्ट एवं अनुमत पांच स्थान -- १७४
भगवान् महावीर से उपदिष्ट एवं अनुमत पांच स्थान -- १७५
भगवान् महावीर से उपदिष्ट एवं अनुमत पांच स्थान -- १७५
भगवान् महावीर के शासन और अन्य तीर्थंकरों के शासन में अंतर ------------------------------ १७६
वर्धमान और शासन संपदा -- १७६
वर्धमान के ग्यारह गणधरों का विवेचन -- १७६
औधिक गणधर विवेचन --- १७६
सोमिल ब्राह्मण द्वारा यज्ञ और गणधर-गणधरों के नाम--- १७७
गणधर-परिवार -- १७८
गणधर की व्याख्या --- १७८
गौतम गणधर के संशय -- १७९
अग्निभूत के संशय -- १८०
वायुभूति के संशय -- १८०
व्यक्त गणधर के संशय -- १८०
सुधर्म गणधर के संशय-- १८०
षष्ठम गणधर-मंडित के संशय -- १८०
सप्तम गणधर मौर्यपुत्र के संशय --- १८०
अष्टम गणधर – अकंपित के संशय -- १८०
नवम गणधर – अचलभ्राता के संशय ---१८१
दशमम् गणधर – मेतार्य के संशय --१८१
एकादशम् गणधर – प्रभास के संशय--१८१
गणधरों का सामान्य विवेचन ---१८१
भगवान् महावीर के गण और गणधर -- १८६
अंगपूर्वों की रचना और गणधर -- १८७
गणधरों का श्रुत--- १८७
गणधर और तीर्थ --- १८७
गणधरों की प्रमुखता -- १८७
गणधर और वर्षावास -- १८८
भगवान् के गणधरों का परिनिर्वाण -- १८८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

भगवान के अंतिम समय- काल में-सिर्फ दो गणधर थे -- १८८
गणधरों की जन्मभूमि -- १८९
गणधर और काल-नक्षत्र-चन्द्र-योग --- १८९
गणधरों के पिता के नाम -- १९०
गणधरों के माता के नाम-- १९०
गणधरों का गोत्र -- १९१
गणधरों की आगार पर्याय -- १९१
गणधरों का छदमस्थकाल --- १९१
गणधरों का केवलिकाल-जिनपर्याय -- १९२
गणधरों की आयु-सर्वायु --- १९२
सब गणधरों के शरीर के संहनन और संस्थान --- १९३
सब गणधर लब्धि सम्पन्न थे -- १९३
परिनिर्वाण के समय तप -- १९३
गणधरों की श्रुत साधना-आगम अध्ययन -- १९३
भगवान के परिनिर्वाण के समय-ईन्द्रभूति और सुधर्म गणधर थे -------------------------------- १९४
प्रथम ईन्द्रभूति (गौतम) गणधर --- १९५
गौतम गणधर और सौधर्म ईन्द्र का प्रश्न -- १९५
गणधर गौतम का भगवान महावीर के पास आगमन --- १९६
अपापा नगरी में दीक्षा ग्रहण --- १९९
गौतम गणधर को सात ऋद्धियां व चतुर्दश पूर्वों का ज्ञान --------------------------------------- २०४
गौतम का दूसरा नाम ईन्द्रभूति -- २०५
ईन्द्रभूति के माता-पिता के नाम -- २०६
गौतम गणधर-प्रथम गणधर -- २०६
साधु-समुदाय में प्रमुख ईन्द्रभूति -- २०६
गौतम स्वामी के छदमस्थावस्था का एक विवेचन -- २०७
छदमस्थावस्था में गौतम गणधर ने छठ्ठ-तप-बेले-बेले की तपस्या अनेक बार की -------------- २०८
गौतम की जिज्ञासा -- २०९
केशी और गौतम संवाद --- २१०
केशी-गौतम-मिलन -- २१०
केशी-गौतम-संवाद -- २१४
चारयाम (महाव्रत) के सम्बन्ध में -- २१४
सचेलक-अचेलक के सम्बन्ध में --- २१५
अंतरंग शत्रुओं के सम्बन्ध में --- २१६
पाश (रागद्वेषादि) सम्बन्ध में --- २१७
लता के सम्बन्ध में -- २१७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

अग्नि (क्रोध-मान-माया-लोभ) के सम्बन्ध में -- २१८
(मनरुपी) दुष्ट अश्व के विषय में -- २१९
सन्मार्ग-कुमार्ग के सम्बन्ध में -- २१९
धर्मरुप द्वीप के सम्बन्ध में -- २२०
नौका के सम्बन्ध में -- २२०
सच्चे सूर्य के सम्बन्ध में -- २२१
क्षेमरुप-शिवरुप-बाधा-पीडा रहित स्थान के सम्बन्ध में --- २२२
गौतम स्वामी से केशी स्वामी ने चार महाव्रत से पाँच महाव्रत ग्रहण किये ---------------------- २२२
श्रमण भगवान महावीर की समकालीन अवस्था में गौतम स्वामी का भिक्षार्थ जाना ------------- २२२
गौतम गणधर और आणंद श्रावक -- २२३
वाणिज्य ग्राम में भिक्षार्थ आज्ञा मानना-भिक्षार्थ जाना -- २२३
गौतम द्वारा आनन्द की चर्चा विषयक समाचार का श्रवण -------------------------------------- २२४
गौतम का आनन्द के पास पहुँचना --- २२५
आनन्द ने गौतम स्वामी को अपने पास आने का निवेदन किया ------------------------------ २२५
आनन्द द्वारा अपने ज्ञान की सूचना -- २२६
गौतम का संदेह और आनन्द का उत्तर --- २२६
गौतम का शंकित होकर भगवान के पास आगमन -- २२७
गौतम द्वारा क्षमा याचना --- २२८
महाशतक श्रावक और गौतम गणधर -- २२८
गौतम का आगमन --- २२८
महाशतक का भूल स्वीकार करना और प्रायश्चित करना -- २२९
गौतम का महाशतक श्रावक के घर से वापस आना -- २२९
अन्य तीर्थियों से गौतम स्वामी का वाद-विवाद -- २२९
अन्य तीर्थियों द्वारा प्रश्न --- २२९
अन्य तीर्थियों के साथ सैद्धान्तिक मतभेद --- २३०
भगवान महावीर द्वारा गौतम स्वामी की प्रशंसा --- २३१
परिनिर्वाण के दिन गौतम गणधर को देवशर्मा को प्रतिबोधार्थ भेजा ---------------------------- २३१
ईन्द्रभूति को केवलज्ञान--- २३३
वर्धमान महावीर के पश्चात धर्म का प्रवर्तन -- २३४
गौतम का परिनिर्वाण-- २३४
ईन्द्रभूति का एक विवेचन -- २३४
ईन्द्रभूति-सर्वलब्धि सम्पन्न थे -- २३४
संहनन और संस्थान --- २३५
ईन्दभूति का जन्म-नक्षत्र -- २३५
गौत्र २३५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

गृहस्थपर्याय -- २३५
छद्मस्थपर्याय -- २३५
केवलिपर्याय -- २३५
ईन्द्रभूति का परिनिर्वाण-भगवान महावीर के पश्चात -- २३६
गौतम गणधर का श्रुत -- २३६
गौतम गणधर की आयु -- २३६
परिनिर्वाण के समय तप -- २३६
द्वितीय अग्निभूति -- २३६
अग्निभूति का श्रमण भगवान महावीर के पास आगमन और दीक्षा ग्रहण ------------------------ २३६
दीक्षा के समय-अग्निभूति की आयु -- २४०
अग्निभूति के माता-पिता के नाम -- २४०
अग्निभूति गणधर-द्वितीय गौतम से सम्बोधित -- २४१
अग्निभूति का परिनिर्वाण-परिनिर्वाण के समय अवस्था -- २४१
तृतीय वायुभूति (तृतीय गौतम) गणधर -- २४२
वायुभूति का भगवान महावीर के पास आगमन-संशय का निवारण और दीक्षा -------------------- २४२
वायुभूति के माता-पिता के नाम -- २४४
वायुभूति गणधर-तृतीय गौतम से संबोधित -- २४४
वायुभूति की आयु -- २४५
चतुर्थ गणधर-व्यक्त-- २४५
व्यक्त गणधर का भगवान महावीर के पास आगमन -- २४५
व्यक्त स्वामी के माता-पिता के नाम -- २४७
व्यक्त गणधर की आयु -- २४७
पंचम गणधर-सुधर्मा गणधर -- २४७
सुधर्मा गणधर का भगवान के पास आगमन,संशय निवारण और दीक्षा ------------------------ २४७
सुधर्मा गणधर के माता-पिता के नाम -- २४९
आर्य सुधर्मा का गौत्र -- २४९
सुधर्मा के जन्म के समय-नक्षत्र का योग-- २४९
गणधर सुधर्मा का श्रुत -- २५०
दीक्षा के पूर्व का श्रुत -- २५०
द्वादशांगी से पूर्व-पूर्वों की रचना -- २५०
संहनन और संस्थान -- २५०
आर्य सुधर्म का आयुष्य -- २५१
सुधर्मा गणधर का एक विवेचन -- २५१
सुधर्म का कैवल्यकाल और परिनिर्वाण -- २५४
सुधर्मा गणधर से जम्बू स्वामी के प्रश्नोत्तर -- २५५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

भगवान महावीर के पट्टधर-सुधर्मा गणधर ---------- २५६
सुधर्मा गणधर का मासिक अनशन में परिनिर्वाण ---------- २५७
सुधर्मा गणधर की निर्वाण भूमि---------- २५८
सुधर्मा गणधर की श्रुतसाधमा ---------- २५८
आर्य सुधर्मा की अपत्य-परम्परा-या वंश-परम्परा---------- २५८
सुधर्मा के पट्टधर- ज्मू स्वामी ---------- २५८
जम्बू स्वामी-एक विवेचन ---------- २५८
जम्बू स्वामी ---------- २५९
जम्बू जाव पज्जुवासामि ---------- २५९
सुधर्मा के पट्टधर-जम्बू स्वामी थे ---------- २६०
सुधर्मा गणधर के पट्टधर जम्बू के अनन्तर कतिपय विच्छेद ---------- २६०
सुधर्मा गणधर के बाद जम्बू स्वामी आदि ---------- २६०
भगवान के परिनिर्वाण के बाद सुधर्मा स्वामी चम्पानगरी में ---------- २६१
सुधर्मा गणधर के विहार ---------- २६२
(भगवान महावीर के परिनिर्वाण के बाद) ---------- २६२
षष्टम-मंडित गणधर ---------- २६२
मंडित-मंडिक गणधर का भगवान के पास आगमन ---------- २६२
मंडित के मातापिता के नाम ---------- २६४
मंडित गणधर की श्रमण-पर्याय ---------- २६४
मंडित पुत्र की आयु ---------- २६४
परिनिर्वाण के समय तप ---------- २६४
सप्तम मौर्यपुत्र गणधर ---------- २६५
मौर्यपुत्र का श्रमण भगवान महावीर के पास आगमन ---------- २६५
मौर्यपुत्र के माता-पिता के नाम ---------- २६६
दीक्षा के समय मौर्यपुत्र की अवस्था ---------- २६७
मौर्यपुत्र का आयुष्य ---------- २६७
अष्टम-अकंपित गणधर---------- २६८
अकंपित गणधर का भगवान महावीर के पास आगमन ---------- २६८
अकंपित के माता-पिता के नाम ---------- २७०
अकंपित गणधर की आयु---------- २७०
नववें-अचलभ्राता गणधर ---------- २७०
अचलभ्राता का श्रमण भगवान महावीर के पास आगमन ---------- २७०
अचलभ्राता के माता-पिता के नाम ---------- २७२
अचलभ्राता गणधर के शरीर का संहनन-संस्थान ---------- २७२
अचलभ्राता गणधर की आयु ---------- २७२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

दशम-गणधर-मेतार्य -- २७३
मेतार्य गणधर का श्रमण भगवान महावीर के पास आगमन और दीक्षा ग्रहण ------------------ २७३
मेतार्य गणधर के माता-पिता के नाम --- २७४
मेतार्य गणधर के संशय -- २७४
मेतार्य गणधर का जन्म नक्षत्र -- २७४
मेतार्य गणधर का गोत्र -- २७४
मेतार्य गणधर की आगारपर्याय-गृहस्थपर्याय -- २७५
मेतार्य गणधर की छद्मस्थ-दीक्षा-पर्याय -- २७५
दीक्षा के पूर्व मेतार्य गणधर का अध्ययन -- २७५
मेतार्य गणधर का केवलिकाल-जिनपर्याय -- २७५
मेतार्य गणधर की आयु -- २७५
ग्यारहवें गणधर-प्रयाय -- २७६
प्रभास गणधर का भगवान महावीर के पास आगमन -- २७६
प्रभास गणधर के माता-पिता के नाम --- २७९
प्रभास गणधर का परिवार (गणधर के साथ दीक्षित) --------------------------------------- २७९
प्रभास गणधर के संशय -- २८०
प्रभास गणधर का श्रुत-अध्ययन -- २८०
प्रभास गणधर का जन्म-नक्षत्र -- २८०
प्रभास गणधर की आगार पर्याय-गृहस्थ पर्याय-- २८०
प्रभास गणधर का गौत्र और जाति -- २८०
प्रभास गणधर की छद्मस्थ-दीक्षा-पर्याय -- २८०
प्रभास गणधर का केवलिकाल-जिनपर्याय -- २८१
प्रभास गणधर की आयु-सर्वायु -- २८१
विविध -- २८१
द्वादशांग का उपदेश -- २८१
भगवान महावीर और गौतम का भवान्तरीय सम्बन्ध -- २८१
भगवान के परिनिर्वाण के दिन ज्येष्ठ अनगार गौतम को केवल ज्ञान-केवल दर्शन समुत्पन्न ------ २८२
परिनिर्वाण के दिन गौतम स्वामी निकट में नहीं थे -- २८२
अग्निभूति की अवगाहना -- २८२
ग्यारह गणधरों के नाम-परम्परा में भिन्नता -- २८२
आमशौंषधि आदि लब्धि सम्पन्न थे -- २८३
गौतम के प्रश्नोत्तर की जिज्ञासा -- २८४
गणधर के उपदेश का समय -- २८४
भगवान पार्श्वनाथ के संतानीय शिष्य -- २८४
उदयपेढालपुत्र और गौतम गणधर के प्रश्नोत्तर -- २८४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

उदयपेढालपुत्र का भगवान गौतम के निकट-आगमन ---------- २८६
उदयपेढालपुत्र का प्रश्न ---------- २८६
भगवान गौतम का उत्तर ---------- २८७
उदयपेढालपुत्र का प्रतिप्रश्न ---------- २८८
भगवान गौतम का प्रत्युत्तर ---------- २८८
उदयपेढालपुत्र का सपक्ष स्थापना ---------- २८९
भगवान गौतम का प्रत्युत्तर ---------- २९०
श्रमण-दृष्टांत ---------- २९०
प्रत्याख्यान-विषय-उपदर्शन ---------- २९४
नव-भंगी प्रत्याख्यान ---------- २९९
त्रस-स्थावर-प्राणियों का अविच्छिन्न ---------- ३०३
उपसंहार-पद ---------- ३०५
गौतम गणधर के प्रश्न ---------- ३०७
परिनिर्वाण के दिन-भगवान महावीर ने गौतम गणधर को देवशर्मा को प्रतिबोधार्थ भेजा ---------- ३०७
भगवान महावीर का परिनिर्वाण सुनकर गौतम का विलाप और केवल ज्ञान ---------- ३०८
भगवान के परिनिर्वाण की रात्रि को गौतम का कन्दन ---------- ३०८
भगवान के परिनिर्वाण के दिन गौतम गणधर को केवलज्ञान की उपलब्धि ---------- ३०९
ग्यारह गणधरों के नाम (दिग०) ---------- ३०९
श्रमणी संघ की प्रवर्तिनी (अग्रणी)-आर्य चन्दना (साध्वी प्रमुखा) चन्दनबाला ---------- ३१०
अभिग्रह फलित होने पर देवों द्वारा वृष्टि ---------- ३२५
दीक्षा-ग्रहण-भगवान महावीर से ---------- ३२८
भगवान महावीर को मुखिया-चंदना साध्वी ---------- ३२८
चन्दना आर्या को केवलज्ञान की उत्पत्ति ---------- ३२८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org